



उत्तरांचल विधान सभा

उत्तरांचल विधान सभा की कार्यसूची

मंगलवार फाल्गुन 28, शक संवत्, 1923
(दिनांक : 19 मार्च, 2002)

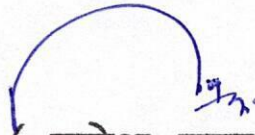
समय : 11:00 बजे पूर्वाह्न

1. अल्पसूचित प्रश्न (देखिए नत्थी (क))
2. अन्य प्रश्न (देखिये नत्थी (ख))
3. सदस्यों की गिरफ्तारी, निरुद्धीकरण व रिहाई की सूचनायें, यदि कोई हों ।
4. सचिव, विधान सभा घोषित करेंगे कि उत्तरांचल अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति एवं अन्य पिछड़ा वर्ग आयोग, विधेयक, 2001 जो विधान सभा द्वारा दिनांक 21 नवम्बर, 2001 को पारित किया गया था, पर महामहिम राज्यपाल की अनुमति दिनांक 28 नवम्बर, 2001 को प्राप्त हो गयी और वह उत्तरांचल का ग्यारहवाँ अधिनियम बन गया ।
5. सचिव, विधान सभा घोषित करेंगे कि उत्तरांचल पर्यटन विकास परिषद विधेयक, 2001 जो विधान सभा द्वारा दिनांक 21 नवम्बर, 2001 को पारित किया गया था, पर महामहिम राज्यपाल की अनुमति दिनांक 28 नवम्बर, 2001 को प्राप्त हो गयी और वह उत्तरांचल का बारहवाँ अधिनियम बन गया ।
6. सचिव, विधान सभा घोषित करेंगे कि उत्तर प्रदेश माल के प्रवेश पर कर अधिनियम (उत्तरांचल संशोधन) विधेयक, 2001 जो विधान सभा द्वारा दिनांक 21 नवम्बर, 2001 को पारित किया गया था, पर महामहिम राज्यपाल की अनुमति दिनांक 28 नवम्बर, 2001 को प्राप्त हो गयी और वह उत्तरांचल का तेरहवाँ अधिनियम बन गया ।

7. सचिव, विधान सभा घोषित करेंगे कि उत्तरांचल विनियोग (2001-2002 का अनुपूरक) विधेयक, 2001 जो विधान सभा द्वारा दिनांक 21 नवम्बर, 2001 को पारित किया गया था, पर महामहिम राज्यपाल की अनुमति दिनांक 28 नवम्बर, 2001 को प्राप्त हो गयी और वह उत्तरांचल का चौदहवाँ अधिनियम बन गया।
8. विशेषाधिकार के प्रश्न, यदि कोई हों।
9. उत्तर प्रदेश विधान सभा की प्रक्रिया तथा कार्यसंचालन नियमावली, 1958 के नियम-315 के खण्ड (23) के अन्तर्गत माननीय अध्यक्ष द्वारा घोषणाएँ, यदि कोई हों।
(कार्यमंत्रणा समिति की सिफारिशों के लिए देखिए नत्थी (ग))
10. मंत्रियों द्वारा विविध वक्तव्य, यदि कोई हों।
11. कार्यस्थगन का प्रस्ताव यदि कोई हो।
12. श्री दिनेश अग्रवाल निम्नलिखित प्रस्ताव प्रस्तुत करेंगे :-
"यह सदन श्री राज्यपाल को उनके द्वारा दिनांक 18 मार्च, 2002 को दिये गए अभिभाषण के लिए कृतज्ञतापूर्वक धन्यवाद प्रकट करता है"
श्री गणेश गोदियाल उक्त प्रस्ताव का समर्थन करेंगे।
(प्रस्ताव में संशोधनों के लिए देखिए नत्थी (घ))
13. मुख्यमंत्री "वित्तीय वर्ष 2001-2002 के द्वितीय अनुपूरक अनुदान प्रस्तुत करेंगे।" (अपराहन् 3:30 बजे)
14. मुख्यमंत्री "वित्तीय वर्ष 2002-2003 के एक भाग के लिए लेखानुदान ~~का~~ प्रस्तुत करेंगे।" (अपराहन् 4:00 बजे)
15. नियम-51 के अन्तर्गत सूचनायें, यदि कोई हों।

देहरादून।
दिनांक : 19 मार्च, 2002

आज्ञा से,


(महेश चन्द्र)
सचिव।



उत्तरांचल विधान सभा

प्रथम सत्र, 2002
का प्रथम मंगल

उत्तरांचल विधान सभा की कार्यसूची मंगलवार फाल्गुन 28, शक संवत्, 1923

(दिनांक : 19 मार्च, 2002)

नत्थी (क)

—: अल्पसूचित प्रश्न :—

श्री त्रिवेन्द सिंह रावत
15-03-2002

****1.** क्या मुख्यमंत्री बताने का कष्ट करेंगे कि उत्तरांचल में ऊर्जा निगमों का गठन हो चुका है ? यदि हां, तो किस-किस नाम से तथा कब ? क्या उत्तरांचल क्षेत्र में विद्यमान जल विद्युत परियोजनाओं पर उत्तरांचल का पूर्ण स्वामित्व है तथा परिसम्पत्तियों का बंटवारा हो चुका है ? यदि हाँ, तो कब ? यदि नहीं तो क्यों नहीं ?

ऊर्जा

श्री मातबर सिंह कण्डारी
15-03-2002

****2.** क्या सरकार शासकीय सेवाओं में तदर्थ नियुक्तियों पर लगी रोक को खत्म करेगी ? यदि हाँ, तो कब तक ? यदि नहीं, तो क्यों ?

कार्मिक



उत्तरांचल विधान सभा

प्रथम सत्र, 2002
का प्रथम मंगल

उत्तरांचल विधान सभा
की कार्यसूची
मंगलवार फाल्गुन 28, शक संवत्, 1923
(दिनांक : 19 मार्च, 2002)

नत्थी (ख)

—: तारांकित प्रश्न :—

श्री मातबर सिंह कण्डारी
02-03-2002

- * 1. क्या वन मंत्री बतलाने का कष्ट करेंगे कि उत्तरांचल के 13 जनपदों में वन क्षेत्रों में रेता, बजरी तथा पत्थर के खनन एवं विपणन की क्या व्यवस्था की गई है ? क्या सरकार अवैध खनन को रोकने हेतु कोई कदम उठाने जा रही है ?

वन

—: अतारांकित प्रश्न :—

श्री मातबर सिंह कण्डारी
01-03-2002

1. क्या ग्राम्य विकास एवं पेयजल मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि ग्राम आरस्यू पट्टी बछणस्यू जनपद रुद्रप्रयाग में गंभीर पेयजल संकट उत्पन्न हो रखा है ? यदि हाँ तो क्या शासन उक्त ग्राम में पेयजल की सुविधा प्रदान करेगा ? यदि हाँ तो कब तक ? यदि नहीं तो क्यों ?

पेयजल

श्री मातबर सिंह कण्डारी
02-03-2002

2. क्या वन मंत्री बतलाने का कष्ट करेंगे कि बी.बी. वाला से वन निगम की लकड़ी सेलाकुई तथा हर्बर्टपुर के पास के जंगलों की लकड़ी चन्द्रवनी के पास के जंगलों की लकड़ी, हर्बर्टपुर के डिपो में भेजी गई है ? यदि हाँ तो, वन निगम द्वारा ऐसी अलाभकारी व्यवस्था किये जाने के क्या कारण हैं, क्या सरकार इसके लिये उत्तरदायी अधिकारी/कर्मचारी के विरुद्ध आवश्यक कार्यवाही करेगी ?

वन

श्री मातबर सिंह कण्डारी 04-03-2002	3.	क्या लोक निर्माण मंत्री बतलाने का कष्ट करेंगे कि जनपद रुद्रप्रयाग में तिलवाड़ा सौराखाल मोटर मार्ग तथा खाँकरा-खेडाखाल-खिसू मोटर मार्ग से बाद में बने अन्य मार्गों का डामरीकरण हुआ है ? क्या कारण है कि उक्त दोनों मोटर मार्गों का डामरीकरण सघन बस्ती होने पर भी आज तक नहीं हुआ है ? क्या सरकार उक्त दोनों मोटर मार्गों का डामरीकरण शीघ्र करवायेगी ? यदि हाँ, तो कब तक ? यदि नहीं तो क्यों ?	लोक निर्माण
श्री मातबर सिंह कण्डारी 04-03-2002	4.	क्या लोक निर्माण मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि मयाली-रणधार मोटर मार्ग जनपद रुद्रप्रयाग से बाद में बने मोटर मार्गों का डामरीकरण हो चुका है ? यदि हाँ तो उक्त मोटर मार्ग का डामरीकरण कब होगा ? यदि नहीं तो क्यों ?	लोक निर्माण
श्री मातबर सिंह कण्डारी 05-03-2002	5.	क्या नगर विकास मंत्री बताने का कष्ट करेंगे कि उत्तरांचल में कितनी नगर पंचायतें अपने कर्मचारियों को वेतन नहीं दे पा रही हैं ? सरकार इन कर्मचारियों के वेतन भुगतान के विषय में क्या कार्यवाही करने जा रही है ?	नगर विकास
श्री मातबर सिंह कण्डारी 06-03-2002	6.	क्या लोक निर्माण मंत्री बतलाने का कष्ट करेंगे कि भटवाड़ी भैसगाँव हल्का वाहन मार्ग का निर्माण कब हुआ था ? क्या यह सत्य है कि यह हल्का वाहन मार्ग 5 वर्षों से बंद पड़ा है ? यदि हाँ, तो क्या सरकार इस मार्ग को कब तक वाहन चलाने योग्य बनायेगी ?	लोक निर्माण
श्री मातबर सिंह कण्डारी 07-03-2002	7.	क्या लोक निर्माण मंत्री बतलाने का कष्ट करेंगे कि रुद्रप्रयाग मुख्य बाजार में बसें खड़ी रहने के कारण यात्रा सीजन में जनता एवं यात्रियों को बड़ी असुविधा होती है ? यदि हाँ तो क्या सरकार रुद्रप्रयाग में बाईपास सड़क का निर्माण कराने जा रही है ? यदि हाँ तो कब तक ? यदि नहीं तो क्यों ?	लोक निर्माण
श्री मातबर सिंह कण्डारी 07-03-2002	8.	क्या नगर विकास मंत्री बतलाने का कष्ट करेंगे कि रुद्रप्रयाग में बस अड्डे के निर्माण हेतु पर्यटन विभाग द्वारा धनराशि आवंटित की गई थी ? क्या बस अड्डे का निर्माण कार्य जल निगम श्रीनगर गढ़वाल द्वारा किया जाना था ? क्या यह भी सत्य है कि निर्माण कार्य में दस लाख रुपये खर्च हुए हैं ? क्या कारण है कि इस अड्डे का निर्माण कार्य पूर्ण नहीं हुआ है ? क्या सरकार उक्त बस अड्डे का निर्माण शीघ्र करवायेगी ? यदि हाँ, तो कब तक ? यदि नहीं तो क्यों ?	प्रथम शक्र के अता0 2 में स्था0
श्री मातबर सिंह कण्डारी 08-03-2002	9.	क्या नगर विकास मंत्री बतलाने का कष्ट करेंगे कि भैसगाँव तल्ला नागपुर तथा सांदर तल्ला नागपुर में गम्भीर पेयजल संकट है ? क्या सरकार उक्त दोनों को पेयजल सुविधा मुहैया कराने हेतु मन्दाकनी नदी से लिफ्ट पेयजल योजना बनाने पर विचार करेगी ? यदि हाँ तो कब तक उक्त पेयजल योजना का निर्माण हो जायेगा ? यदि नहीं, तो क्यों ?	पेयजल
श्री मातबर सिंह कण्डारी 08-03-2002	10.	क्या नगर विकास मंत्री बतलाने का कष्ट करेंगे कि पेयजल योजना जवाड़ी भरदार रुद्रप्रयाग, गढ़वाल जल संस्थान के अधीन है ? यदि हाँ तो इस योजना से लाभान्वित परिवारों से जल क्यों नहीं लिया जा रहा है ? क्या इस योजना में पानी सुचारु रूप से चल रहा है ? यदि नहीं तो क्या ग्रामवासियों को पेयजल की सुविधा प्रदान कर दी जायेगी ? यदि नहीं तो क्यों ?	पेयजल



नत्थी (ग)

कार्यमंत्रणा समिति ने अपनी दिनांक 18 मार्च, 2002 की बैठक में दिनांक 19 मार्च, 2002 के उपवेशन के लिए निम्नलिखित सिफारिशें की हैं :-

मार्च, 2002

मंगलवार, 19

(1) धन्यवाद के प्रस्ताव का प्रस्तुतिकरण एवं चर्चा।

(2) 3 : 30 बजे अपराहन्
(क) वित्तीय वर्ष 2001-2002 के लिए
द्वितीय अनुपूरक अनुदान का प्रस्तुतिकरण।

4 : 00 बजे अपराहन्
(ख) वित्तीय वर्ष 2002-2003 के एक भाग
के लिए लेखानुदान का प्रस्तुतिकरण।



उत्तरांचल विधान सभा

नत्थी (घ)

श्री राज्यपाल के अभिभाषण के लिए धन्यवाद प्रस्ताव में संशोधन

क.सं. प्रस्तावक का नाम

संशोधन का रूप

1. श्री भगत सिंह कोश्यारी,
श्री त्रिवेन्द्र सिंह रावत,
श्री गोविन्द लाल
श्री मदन कोशिक,
श्री बिशन सिंह चुफाल,
श्री मालचन्द्र,
श्री सुरेश चन्द्र,
श्री प्रकाश पन्त,
श्री मातबर सिंह कण्डारी,
श्रीमती विजय बड्थवाल,
श्री महेन्द्र भट्ट,
श्री अनिल नौटियाल,
श्रीमती आशा नौटियाल,
श्री अरविन्द पाण्डे,

प्रस्ताव के अन्त में निम्नलिखित जोड़ दिया जाय:-

“किन्तु खेद है कि श्री राज्यपाल ने अपने अभिभाषण में निम्न का उल्लेख नहीं किया” :-

1. राज्य की बिगड़ती हुई कानून व्यवस्था में सुधार लाने हेतु किसी विशेष प्रभावी उपाय की घोषणा किये जाने,
2. आर्थिक व्यवस्था में सुधार लाने हेतु किसी प्रभावी योजना की घोषणा किये जाने,
3. राज्य कर्मचारियों, शिक्षकों, विभिन्न निगमों के कर्मचारियों तथा राज्य में सेवारत सरकारी तथा गैर सरकारी कर्मचारियों का पंचम वेतन आयोग की संस्तुति के अनुसार केंद्र के समान वेतन दिये जाने और एल0टी0सी0 नगदीकरण इत्यादि सुविधायें प्रदत्त किये जाने,
4. राज्य को ऊर्जा प्रदेश बनाने हेतु पूर्व में घोषित योजनाओं के क्रियान्वयन तथा प्रभावी नीति बनाने,
5. उद्योग, पर्यटन, रोजगार, शिक्षा के क्षेत्र में पूर्व में घोषित परियोजनाओं के क्रियान्वयन करने,
6. राजस्व पुलिस की सेवा शर्तों में सुधार करने तथा उन्हें अधिक सुविधा व अधिकार देकर दुरस्थ ग्रामीण अंचल में कानून व्यवस्था ठीक करने,
7. प्रत्येक विधान सभा क्षेत्र में माननीय विधायकों को एक वित्तीय वर्ष में कम से कम 50 कि0मी0 नवीन मोटर मार्ग निर्माण, 20 कि0मी0 डामलीकरण, 5 झूलापुल, 5 नवीन इण्टरमीडिएट, 5 नवीन हाई स्कूल, 5 स्वास्थ्य उपकेन्द्रों की स्वीकृति प्रदान करने का अधिकार दिये जाने,
8. राज्य में चिकित्सा व्यवस्था सुधार हेतु पृथक चिकित्सा नीति बनाये जाने,

क.सं. प्रस्तावक का नाम

संशोधन का रूप

9. स्वास्थ्य विभाग में कार्यरत फार्मासिस्टों की लम्बे सूय से चली आ रही समस्याओं के निराकरण किये जाने,
10. प्रदेश में प्रशिक्षित फार्मासिस्टों, बी०एड०, बी०पी०एड०, सी०पी०एड०, डिप्लोमा इन्जिनियरों तथा अन्य प्रशिक्षित तथा उच्च शिक्षा प्राप्त बेरोजगारों को सेवायोजन हेतु प्रभावी कदम उठाने,
11. प्रदेश के समस्त बेरोजगारों को बेरोजगारी भत्ता दिये जाने,
12. प्रदेश की सभी बन्द पड़ी फैक्ट्री तथा जनपद पिथौरागढ़ की चंढाक मैग्नासाइट व तड़ी गांव (पिथौरागढ़) मैग्नासाइट फैक्ट्री काशीपुर की सूत कताई मिल सरस्वती ऊलन मिल रानीखेत (अल्मोड़ा) इत्यादि को पुनः संचालित किये जाने हेतु प्रभावी योजना बनाये जाने,
13. साधन समिति सचिव, संग्रह, अमीनों तथा वर्षों से विभिन्न यथा-लो०नि०वि० राज्य सम्पत्ति अधिकारी कार्यालय, वन विभाग तथा निगमों में कार्यरत दैनिक व संविदा आधारित कर्मचारियों को नियमित करने तथा उन्हें राज्य कर्मचारियों घोषित करने,
14. नवसृजित 13 महाविद्यालयों में प्रधानाचार्य, प्रवक्ता तथा अन्य शिक्षणोत्तर सामग्री उपलब्ध कराने,
15. प्राथमिक विद्यालयों, माध्यमिक विद्यालयों तथा महाविद्यालयों में प्रधानाचार्यों, प्रवक्ता, अध्यापकों के रिक्त पड़े पदों को भरे जाने,
16. सभी न्याय पुचायत केन्द्रों में मिनी खेल स्टेडियम तथा जिला मुख्यालयों में आधुनिक रूप से सुसज्जित खेल स्टेडियमों की स्थापना कराने,
17. प्रदेश में स्थापित हवाई पट्टियों को सुदृण करने तथा वायुसेवा प्रारम्भ करने,
18. आपदा प्रबन्धन विभाग को सुव्यवस्थित कर दैवीय आपदाओं से निपटने हेतु विशेष कार्ययोजना बनाये जाने,
19. महिला सशक्तीकरण हेतु विशेष कार्य योजना,
20. वार्षिक योजना 1500 करोड करने के संबंध में।
21. व्यय कम करने हेतु मंत्रिमण्डल के आकार को घटाने,
22. विकल्पधारी कर्मचारियों को नियत अवधि में कार्यमुक्त करने,
23. प्रत्येक विकास खण्ड में उच्चतर मा०वि० एवं कन्या इण्टर कालेज बनाने,

क.सं. प्रस्तावक का नाम

संशोधन का रूप

24. हरिद्वार कोटद्वार रामनगर मार्ग को राष्ट्रीय राजमार्ग घोषित करने,
 25. टिहरी बांध विस्थापितों के लिए पिछली सरकार द्वारा केन्द्र से प्राप्त भूमि को तुरन्त विकसित कर विस्थापितों का पुनर्वास के संबंध में।
 26. उत्तर प्रदेश सरकार से गंगा मैनेजमेन्ट केन्द्र की जगह उभय पक्षी बोर्ड बनाने,
 27. ड्रिलिंग द्वारा प्रत्येक जनपद में 500 हैण्डपम्प लगाने,
 28. शिक्षा बन्धु, शिक्षा मित्र व विजिटिंग फैकल्टी के अध्यापकों को नियमित करने,
 29. उधमसिंह नगर व हरिद्वार में नये अनाज भण्डार गृह खोलने के संबंध में,
 30. चीनी मिलों को आत्म निर्भर बनाने के लिए को-जेनेरेशन योजना शुरू करने,
 31. पर्यटन विकास के लिए कोटद्वार, पौड़ी, दूधातोली-पिंडर तथा रानीखेत, नैनीताल, मानीला, कौसानी, ग्वालदम, चौकड़ी-पाताल भुवनेश्वर, मुनस्यारी, पिथौरागढ़, पूर्णागिरी परिपथ विकसित करने,
 32. गरीबी रेखा के नीचे के परिवारों को निःशुल्क रसोई गैस कनेक्शन देने,
 33. होम-गार्ड के वेतन में प्रतिदिन 50/- रु० की वृद्धि करने के संबंध में।
2. श्री काशी सिंह ऐरी
श्री विपिन चन्द्र त्रिपाठी
श्री नारायण सिंह जन्तवाल
श्री प्रीतम सिंह पंवार
- प्रस्ताव के अन्त में निम्नलिखित जोड़ दिया जाय:-
“किन्तु मुझे खेद है कि महामहिम राज्यपाल ने अपने अभिभाषण में निम्न का उल्लेख नहीं किया है” :-
स्थायी राजधानी का चयन एवं उसका निर्माण।
2. उत्तर प्रदेश के विकल्पधारी कर्मचारी एवं शिक्षकों को अविलम्ब कार्यमुक्त कर उत्तर प्रदेश भेजे जाने तथा उनकी जगह पर शिक्षित-प्रशिक्षित बेरोजगारों को नियुक्त किये जाने।
 3. प्रदेश की सामाजिक सांस्कृतिक एवं आर्थिक संरचना अक्षुण्ण रखने एवं राष्ट्रीय सुरक्षा को दृष्टिगत रखते हुए संविधान के अनुच्छेद-371 के अन्तर्गत विशेष प्राविधान किये जाने के संबंध में केन्द्र सरकार का संस्तुति।
 4. उत्तराखण्ड राज्य आन्दोलन के दौरान रामपुर तिराहा (मु०नगर) कांड के दोषी अधिकारियों को दंडित किये जाने हे संबंध में।

क.सं. प्रस्तावक का नाम

संशोधन का रूप

5. उत्तराखण्ड राज्य आन्दोलन के शहीदों के परिजनों को विशेष सहायता व सम्मान दिये जाने।
 6. उत्तराखण्ड राज्य आन्दोलन के सभी मुकद्दमों को वापस लिये जाने।
 7. उत्तराखण्ड राज्य आन्दोलन के घायलों/पीड़ितों व प्रमुख आन्दोलनकारियों को विशेष मुआवजा व सम्मान दिये जाने।
 8. उत्तराखण्ड राज्य आन्दोलन के शहीदों एवं राज्य आन्दोलन के सर्वमान्य नेता स्व० इन्द्र मणि बडोनी की प्रतिमायें स्थापित करने।
 9. शहीद सैनिकों /अर्द्धसैनिकों के परिजनों को राज्य स्तर पर नौकरी एवं अन्य रोजगार/सुविधायें दिये जाने के संबंध में।
 10. सेना में भर्ती के लिए वर्तमान में छः सीमान्त तहसीलों में लागू कक्षा 8 पास की अर्हता सम्पूर्ण उत्तराखण्ड में अथवा कम से कम सीमान्त के तीनों जनपदों में लागू किये जाने।
 11. प्रदेश के विभिन्न शासकीय एवं अशासकीय सहायता प्राप्त महाविद्यालयों एवं विद्यालय में कार्यरत शिक्षा बन्धु, शिक्षा मित्र विजिटिंग फैकल्टी, अंशकालिक, दैनिक एवं नियमित वेतनमान अस्थायी शिक्षकों को तदर्थ/नियमित नियुक्ति प्रदान किये जाने।
 12. प्रदेश के विभिन्न विभागों में दैनिक वेतन, नियत वेतन एवं तदर्थ रूपन से नियुक्त सभी कर्मचारियों को नियमित किये जाने।
 13. फलोत्पादक बीमा योजना।
 14. बिन्दुखत्ता, दमुवाडुंगा, बग्धाचौवन, उत्तरकाशी जनपद के धरासू बैण्ड सहित सभी वन भूमि पर बसे गांवों को राजस्व गांव घोषित करने।
 15. प्रदेश के दूरस्थ स्थानों में प्राथमिक उपस्वास्थ्य केन्द्र (एस०ए०डी०) पर्याप्त संख्या में खोले जाने।
 - 16- जनपद पिथौरागढ़ की धारचूला एवं मुनस्यारी तहसीलों, टिहरी जनपद एवं उत्तरकाशी जनपद के रवाई एवं जौनपुर क्षेत्रों को जनजातीय क्षेत्र घोषित किये जाने।
3. श्री मातबर सिंह कण्डारी प्रस्ताव के अन्त में निम्नलिखित जोड़ दिया जाय:- "किन्तु खेद है कि महामहिम राज्यपाल ने अपने अभिभाषण में निम्नलिखित को सम्मिलित नहीं किया है :-
1. बड़गस्यूँ पश्चिमी भरदार, रानीगढ़, धनपुर तथा तल्ला नागपुर के लिए रुद्रप्रयाग में अलग विकास खण्ड खोलना।

क.सं. प्रस्तावक का नाम

संशोधन का रूप

2. जनपद रुद्रप्रयाग में इंजिनियरिंग कालेज खोलना।
3. जनपद रुद्रप्रयाग में मालटा का जूस निकालने का कारखाना लगाना।
4. जखोली में पूर्ण तहसील बनाना।
5. उत्तरांचल में मद्य निषेध लागू करना।
6. उत्तरांचल में फल पट्टी योजना को बनाना।
7. भारतीय वन संरक्षण अधिनियम को विकास कार्यों के लिए लचीला बनाना।
8. चिरबटिया में राजकीय आलू फार्म खोलना।
9. उत्तरांचल के आर्थिक विकास हेतु व्यवसायिक खेती, बेमौसम सब्जी उत्पादन फल पट्टी योजना, मतस्य पालन योजनाओं पर बल देना।
10. बेरोजगारी को दूर करने हेतु रोजगार परक योजनाओं को चलाना।
11. महिला कल्याण कार्यक्रम पर बल देना।
12. उत्तरांचल में बन्द पड़ी योजनाओं पर पुनर्निर्माण शुरू कराना।
13. बेसिक पाठशाला से लेकर महाविद्यालयों में अध्यापकों के रिक्त पदों पर भर्ती करना।
14. लिफ्ट सिंचाई योजना धारकोट तल्ला नागपुर का निर्माण कार्य पूर्ण कराना।
15. लिफ्ट पेयजल योजना जवाड़ी कांडा क्वीलाखाल भरदार, भैंसगांव, तल्लानागपुर नगलासूँ (रानीगढ़) का निर्माण कराना।
16. सतनी (सौराखाल) भरदार, बुडोली (सिलगढ़) आरसूँ बछरगसूँ ढौडिक तल्ला नागपुर में जनता को पेयजल की सुविधा देना।
17. खाकरा कान्डई खेड़ाखाल मोटर मार्ग नगरासूँ जसोली डांडा मोटर मार्ग, मयाली रणधार मोटर मार्ग, तिलवाड़ा सौराखाल मोटर मार्ग का डामरीकरण कराना।
18. लसूँ नदी में मठियाणा (सिलगढ़) अलकनन्दा नदी में पपजसूँ मन्दाकनी नदी में अगस्त्य मुनि तथा धूयेली नामक स्थानों में झूलापुल निर्माण करने।
19. तुनेटा भरदार में चीड़ की पत्तियों पर आधारित कोयला तथा गत्ता उद्योग लगाना।
20. तिलवाड़ा जल विद्युत परियोजना विकास खण्ड जखोली, रुद्रप्रयाग जो वर्षों से बन्द पड़ी है उसे चालू करने।

क.सं. प्रस्तावक का नाम

संशोधन का रूप

21. जनपद रुद्रप्रयाग में अधिशासी अधिकारी विद्युत वितरण खण्ड का पद स्वीकृत है की नियुक्ति कराने।
22. जनपद रुद्रप्रयाग में जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी, लेखाधिकारी बेसिक शिक्षा, उप वन संरक्षक जिला उद्यान अधिकारी, जिला समाज कल्याण अधिकारी के पदों का सृजन कराने।
23. विकास खण्ड जखोली, रुद्रप्रयाग के भवन निर्माण हेतु धन उपलब्ध कराने।
24. पट्टी बछरगस्यूँ जसोली कोदिमा (लदोली) रानीगढ़ पूर्वी बांगढ़, खलियान बांगड़ बडमा सिलगढ़ लस्या (रुद्रप्रयाग) में चाय की खेती शुरू करने।
25. त्यूखर चिरबटिया (लस्या) खलियान बांगर पूर्वी बांगर बछरगस्यूँ (सिलापाखा)धनपुर (पावौं भुनका) कोदिमा जसोली (रानीगढ़) में जड़ी बूटियों की नरसरी तथा जड़ी बूटियों का कृषि करण कराने।
26. तुनेटा भरदार तथा घंगासू बांगर रुद्रप्रयाग में मछलीपालन केन्द्र खोलना तथा हैचरी का निर्माण कराने।
27. गहड़खाल (बछरगस्यूँ) खेड़ीखाल (धनपुर) हेडतीखाल तल्ला नागपुर तुनेटा (भरदार) जसोली रानीगढ़ में ऐलोपैथिक अस्पताल खोलने।
28. अमकोटी-त्यूखर लस्या किमारगा फुटगढ़ कुड़ी अपूली (फुटगढ़) चौरिया भरदा, डौखाल (रौठिया) में आयुर्वेदिक अस्पताल खोलने।
29. रा0उ0मा0वि0 पांजणा (सिलगढ़) रुद्रप्रयाग रा0उ0मा0वि0 त्यूखर लस्या रा0उ0मा0वि0 चौरिया भरदार रा0उ0मा0वि0 जयंती कौठियाडा लस्या रा0उ0मा0वि0 बरसूडी बछणस्यूँ रा0उ0मा0वि0 टैंटी बछणस्यूँ रा0उ0मा0वि0 पीडा धनपुर रुद्रप्रयाग का उच्चीकरण कराने।
30. जू0हा0 लौगा लस्या, जू0हा0 कोटी लस्या, जू0हा0 बरसिर लस्या, जू0हा0 पौडीखाल बछणस्यूँ, जू0हा0 हडेटीखाल तल्ला नागपुर, जू0हा0 बीना (रानीगढ़) जू0हा0 तूना धनपुर जू0हा0 कमेड़ा तल्ला नागपुर का उच्चीकरण कराने।
31. तिलवाडा रुद्रप्रयाग में महिला चिकित्सालय खोलने।
32. नगरासू रतूडा तिलणी (सुमेरपुर) में राजकीय कृषि फार्म खोलने।

क.सं. प्रस्तावक का नाम

संशोधन का रूप

33. भटवाडी सैण तल्ला नागपुर में स्वीकृत उद्योग केन्द्र को विकसित करने।
 34. द्योलतीर (रानीगढ़) सिद्धसौड़ (बड़मा), चौरिया भरदार, किमाना फुटगढ़ में भारतीय स्टेट बैंक की शाखा खोलने।
 35. सुदूर पिछड़े क्षेत्र रतूडा खेडीखाल भुनका रुद्रप्रयाग चिनगवाड़ पावौं सेरा वाँसी, जवाडी भरदार मोटर मार्गों का निर्माण करना।
4. श्री बिशन सिंह चुफाल
श्री प्रकाश पन्त
- प्रस्ताव के अन्त में निम्नलिखित जोड़ दिया जाय :-
“किन्तु खेद है कि श्री राज्यपाल के अभिभाषण में निम्न का उल्लेख नहीं किया है” :-
1. पिथौरागढ़ में बेरीनाग पुरानाथल तथा डीडिहाट आदिचौरा तथा नाचनी बांसवाड़ा मोटर मार्ग डामरीकरण के सम्बन्ध में।
 2. पिथौरागढ़ में भुजगढ़ नदी में सिरमाली के पास तथा नामिक नदी में झूला पुल के सम्बन्ध में।
 3. पिथौरागढ़ राजकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय पुरानाथल तथा जूनियर हाईस्कूल होकरा के उच्चीकरण के सम्बन्ध में।
 4. पिथौरागढ़ थल में महाविद्यालय खोलने,
 5. पिथौरागढ़ में राजकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय भट्टी गांव तथा राजकीय कन्या इण्टर कालेज डीडिहाट के भवन के संबंध में।
 6. पिथौरागढ़ में पर्यटक स्थल सिराकोट के सौन्दर्यकरण के संबंध में।
 7. पिथौरागढ़ में उडियारी तथा चौसला-लेक पेयजल के संबंध में।
 8. सीमान्त जनपद पिथौरागढ़ में सामुदायिक पॉलीटेक्नीक के संबंध में।
 9. पिथौरागढ़ में हवाई पट्टी के विस्तार के संबंध में।
 10. पिथौरागढ़ में पुराना थलतडी गांव मोटर मार्ग में राम गंगा नदी में मोटर पुल के संबंध में।
 11. पिथौरागढ़ डीडिहाट में मिनी स्टेडियम के संबंध में
 12. पिथौरागढ़ में सगौड़ से बौगाड़ तक सड़क निर्माण के संबंध में।

क.सं. प्रस्तावक का नाम

संशोधन का रूप

13. जनपद पिथौरागढ़ में निम्न मोटर मार्गों के निर्माण के संबंध में —
— रई-मढ़-रोडीपाली मोटर मार्ग
— सुवालेख-चण्डिकाघाट-रेसपसटा मोटरमार्ग
— छेड़ा कुम्याचौड़ —सुवालेख मोटरमार्ग
— चण्डाक-व्यूपानी-डूंगरा मोटर मार्ग निर्माण
— मोस्टमानू-छाना-भुरमुनी मोटर मार्ग
— नैनी-सैनी-कुम्हार मोटरमार्ग
— दिगतोली-नैनी-दूयूडी मोटरमार्ग
— बडंडा-लेलू मोटर मार्ग
— चुपकोट बैड-जमराडी-निसनी मोटर मार्ग
— हरकान्डे-सल्ला मोटर मार्ग
— जाख रावल गांव-मेलढगरी मोटरमार्ग
— अशोक नगर-भाटीगांव मोटर मार्ग
— बड़बै-धारी-बेलतडी मोटर मार्ग
— विषाण-मासौ मोटर मार्ग
— चण्डाक-पौण्ड-पपदेव-सुकोली मोटर मार्ग
— सुकोली-टकारा-टकारी-ऐंचोली मोटर मार्ग
— ननी सैनी-कनारी-पामैं-देवत मोटर मार्ग
— उर्ग-घुन्सेरा गांव-मढ़ मोटर मार्ग
— मढ़ तडीगांव पुनेडी मोटर मार्ग।
14. जनपद पिथौरागढ़ में निम्न मोटर मार्गों के डामरीकरण के संबंध में।
— चण्डाक-ब्रांस मोटर मार्ग
— वांस-आंवला घाट मोटर मार्ग।
— मोस्टमानू-छेड़ा-दिगतोली मोटर मार्ग।
— वड्डा-अडकिनी-क्वीतड़ मोटर मार्ग।
— कुसेटी-सिलोनी मोटर मार्ग।
15. जनपद पिथौरागढ़ में रा.030मा0वि0 रोडीपाली के उच्चीकरण के संबंध में।
16. जनपद पिथौरागढ़ में नैनी-सैनी, चमाली, खतीगांव, निसनी में नये हाईस्कूल खोले जाने के संबंध में।
17. पिथौरागढ़ जिला मुख्यालय में विथी-फाल (मुनस्यारी) या अन्य किसी गुरुत्वीय पेयजल स्रोत से पेयजल योजना निर्माण के संबंध में।
18. जनपद पिथौरागढ़ मुख्यालय डीडिहाट (पिथौरागढ़) एवं छावनी परिषद में रानीखेत (अल्मोड़ा) में सीवर लाइन निर्माण के संबंध में।
19. पिथौरागढ़ में पर्यटन आकर्षण केन्द्र के रूप में रई व थरकोट में कृत्रिम झील के निर्माण के संबंध में।

क्र.सं. प्रस्तावक का नाम

संशोधन का रूप

5. श्री हरभजन सिंह चीमा

प्रस्ताव के अन्त में निम्नलिखित जोड़ दिया जाय:—

“किन्तु खेद है कि श्री राज्यपाल ने अपने अभिभाषण में निम्न का उल्लेख नहीं किया” :—

1. उत्तरांचल में निकट भविष्य में होने वाले ग्राम सभाओं व निकायों के चुनाव से पूर्व ग्राम सभाओं व निकायों का पुनर्गठन कराये जाने।
2. पिछले 30-35 वर्षों से अधिक समय से किसानों की जोत में चली आ रही वर्ग-4 की भूमिका नियमितिकरण किये जाने,
3. विधान सभा क्षेत्र जसपुर व काशीपुर में उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा बनाये गए जलाशयों (डामों) से उठाये गए किसानों को बदले में दी गई अराजी के संबंधित किसानों के नाम बनाये गए पट्टों को तहसील रिकार्ड में अंकित कराये जाने के,
4. पिछले 40 वर्षों से मैदानी क्षेत्रों के गांवों में चल रहे प्राइमरी स्कूलों का उच्चीकरण कर कम से कम जू0 हा10 स्कूल का दर्जा दिये जाने,
5. विधान सभा क्षेत्र जसपुर काशीपुर की सरकारी क्षेत्र की लम्बे समय से बन्द पड़ी सूत मिलों को चलाये जाने के संबंध में।

6. श्री अजय भट्ट

प्रस्ताव के अन्त में निम्नलिखित जोड़ दिया जाय:—

“किन्तु खेद है कि श्री राज्यपाल ने अपने अभिभाषण में निम्न का उल्लेख नहीं किया” :—

1. पिथौरागढ़ में पुराना थल-तड़ीगांव मोटर मार्ग में रामगंगा नदी में मोटर पुल के संबंध में।
2. पिथौरागढ़, डीडीहाट में मिनी स्टेडियम के निर्माण,
3. पिथौरागढ़ में सगौड़ से बौगाड़ तक सड़क निर्माण,
4. पिथौरागढ़ में पर्यटन आकर्षण केन्द्र के रूप में मेंरई व थरकोट में कृत्रिम झील के निर्माण,
5. पिथौरागढ़ में पूर्व प्रस्तावित बहुउद्देशीय पार्क (अप्पूघर) के निर्माण किये जाने,
6. पिथौरागढ़ मुख्यालय में खेल विद्यालय की स्थापना कियं जाने,
7. गंगोलीहाट (पिथौरागढ़) में धार्मिक महत्व के पौराणिक मंदिरों व विभिन्न प्राकृतिक गुफाओं को देखते हुए सम्पूर्ण क्षेत्र को धार्मिक क्षेत्र घोषित किये जाने,

क.सं. प्रस्तावक का नाम

संशोधन का रूप

8. पिथौरागढ़ में जनसंख्या दबाव को देखते हुए प्रस्तावित रिंग रोड की स्थापना,
 9. रानीखेत क्षेत्र में रानीखेत से चौबटिया में रज्जूमार्ग, भालूडैम एवं धोबीगधरे में कृत्रिम झील के निर्माण,
 10. रानीखेत में पूर्व से लम्बित स्टेडियम निर्माण,
 11. गगास चिनियानोला, कोशीशेंर, कोसी, बिल्लेख पंपिंग पेयजल योजना के निर्माण,
 12. नागरिक चिकित्सालय को कम्बाइण्ड चिकित्सालय का दर्जा दिये जाने के तथा हृदय रोग, नाक कान एवं नेत्र विभाग खोले जाने,
 13. छावनी परिषद, रानीखेत को नगर पालिका एवं रानीखेत को जिला तथा मजखाली, जालली, मछोड एवं मासी को विकास खण्ड घोषित करने,
 14. उ०प्र० रा० सड़क परिवहन निगम कार्यशाला को बाजार से हटाकर पूर्व स्वीकृत स्थान ताडीखेत में निर्माण करवाये जाने,
 15. जनसंख्या के दबाव को देखते हुए रानीखेत में एक बालिका इण्टर कालेज खोलने,
 16. सब्जी उत्पादक क्षेत्रों को देखते हुए चौबटिया, बमस्यूँ, भूजान, खैरना, पोखरी, काकडीघाट, बलियाली, लोधियाखान बिल्लेख एवं सौला सिल्लौर महादेव तथा ताडीखेत पीपली, काकडीघाट, मज्यूरखान, शीतला, त, बेड़गांव, नैनीजाना जैसी, रानीखेत एरोड जैसी सड़कों के निर्माण के संबंध में।
7. श्री मदन कौशिक
- प्रस्ताव के अन्त में निम्नलिखित जोड़ दिया जाय।

किन्तु खेद है कि श्री राज्यपाल ने अपने अभिभाषण में निम्नलिखित का उल्लेख नहीं किया है :-

1. उत्तरांचल को शेष परिसम्पत्तियों में हिस्सेदारी तथा अधिकारों को दिलाने के लिए किसी नीति की घोषणा तथा समय-समय पर सीमा निश्चित करने,
2. उत्तरांचल में बेरोजगारी के समाधान के लिए स्पष्ट रोजगार नीति बनाये जाने,
3. पर्यटन उद्योग के विकास के लिए स्पष्ट नीति तैयार कर स्वरोजगार उपलब्ध कराने,
4. हरिद्वार के पास राजाजी नेशनल पार्क में रेल द्वारा व बिजली के करन्ट से लगातार मर रहे हाथियों की सुरक्षा,
5. भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाने के संबंध में स्पष्ट नीति,

क.सं. प्रस्तावक का नाम

संशोधन का रूप

6. पूर्व माध्यमिक विद्यालयों, माध्यमिक विद्यालयों को अनुदान सूची में लिये जाने,
7. प्रदेश में बिगड़ती कानून व्यवस्था की स्थिति को सुधारने हेतु किसी योजना का उल्लेख नहीं किये जाने,
8. हरिद्वार नगर में शराबबन्दी प्रभावी रूप से लागू हो इसके संबंध में कार्य योजना बनाने,
9. हरिद्वार विधान सभा में कन्या डिग्री कालेज खोलने,
10. प्रदेश में हिन्दी विषय की डिग्री स्तर तक के लिए शिक्षा मुफ्त दिये जाने,
11. हरिद्वार में संस्कृत विश्वविद्यालय की स्थापना,
12. हरिद्वार में 2004 में लगने वाले कुम्भ के बारे में स्थाई निर्माण की योजना,
13. हरिद्वार में गंगा की पूर्णतः प्रदूषण मुक्त करने,
14. हरिद्वार में उच्च न्यायालय की खण्डपीठ की स्थापना,
15. हरिद्वार में श्रमायुक्त कार्यालय की स्थापना,
16. हरिद्वार में हवाई पट्टी का विस्तार कर विमान सेवा प्रारम्भ किये जाने,
17. हरिद्वार में विशेष पौराणिक महत्व वाले क्षेत्र—सतीकुन्ज, सतीघाट, मायादेवी मंदिर दक्ष प्रजापति मंदिर, बिल्केश्वर मंदिर आदि को विकसित किये जाने,
18. हरिद्वार में मनसा देवी मंदिर, चण्डी देवी मंदिर पैदल मार्ग पर टीन-शैड की व्यवस्था करने,
19. कनखल शमशान घाट पर विद्युत शव गृह के निर्माण,
20. हरिद्वार के जिला चिकित्सालय की खस्ता हालत सुधारने,
21. बरसात के मौसम में हरिद्वार के समस्त बाजार एवं अधिकांश मौहल्लों में पानी की निकासी,
22. हरिद्वार में अंतर्राज्जीय बस स्टेशन की स्थापना,
23. हरिद्वार नगर में सिटी बस की व्यवस्था करने,
24. हरिद्वार नगरी में धर्मशालाओं को गृहकर, जलकर से पूर्णतः मुक्त किये जाने,
25. हरिद्वार में हर की पेड़ी क्षेत्र को भिखारियों से पूर्णतः मुक्त करने,
26. हरिद्वार में मेडिकल कालेज खोलने,
27. हरिद्वार को एक औद्योगिक जिला घोषित किये जाने,
28. राज्य में गौ रक्षा आयोग के गठन।

क.सं. प्रस्तावक का नाम

संशोधन का रूप

8. श्री अरविन्द पाण्डे

प्रस्ताव के अन्त में निम्नलिखित जोड़ दिया जाय :-

“किन्तु खेद है कि श्री राज्यपाल ने अपने अभिभाषण में निम्नलिखित का उल्लेख नहीं किया” :-

1. बाजपुर विधान सभा क्षेत्र में वर्ग 4 की भूमि की समस्या समाधान,
2. बाजपुर क्षेत्र में नदियों द्वारा किये जा रहे कटान से उत्पन्न स्थिति के संबंध में।
3. किसानों को फसल का सही मूल्य भुगतान के संबंध में।
4. किसानों को गन्ना मूल्य का भुगतान के संबंध में।
5. बाजपुर क्षेत्र में स्थित चीनी मिल के दैनिक वेतनभोगी कर्मचारियों को नियमित करने के संबंध में।
6. समस्त चीनी मिलों में मृतक आश्रितों को सेवा योजित करने के संबंध में।
7. समस्त चीनी मिलों के कर्मचारियों को पंचम वेतन आयोग की संस्तुतियों के अनुसार वेतन दिये जाने के संबंध में।
8. बाजपुर को पूर्ण तहसिल का दर्जा दिये जाने के संबंध में।
9. केलाखेड़ा (उधमसिंह नगर) में स्थित इण्टर कालेज की भूमि पर किये गये अवैध कब्जे को हटाये जाने के संबंध में।

9. श्री महेन्द्र भट्ट

प्रस्ताव के अन्त में निम्नलिखित जोड़ दिया जाय :-

“किन्तु खेद है कि श्री राज्यपाल ने अपने अभिभाषण में निम्नलिखित का उल्लेख नहीं किया है” :-

1. जनपद चमोली के विकास खण्ड घाट में तहसील की स्थापना,
2. जनपद चमोली के अनेको विद्यालयों के उच्चीकरण,
3. जनपद चमोली के पोखरी विकास खण्ड के उड़ामाड़ा सेमलासु मोटरमार्ग निर्माण,
4. जनपद चमोली विकास खण्ड घाट के काण्डेय पगना मार्ग निर्माण,
5. जनपद चमोली में प्रत्येक बारह वर्षों में होने वाली पौराणिक नन्दा देवी राजात को सरकारी अनुदान,
6. जनपद चमोली के विकास खण्ड घाट में राज्य परिवहन निगम सेवा प्रारम्भ करने,
7. जनपद चमोली के विकास खण्ड घाट में राजकीय महाविद्यालय की स्वीकृति,
8. उत्तरांचल में भविष्य में होने वाली हाईस्कूल एवं माध्यमिक शिक्षा की परीक्षा हेतु अलग परीक्षा बोर्ड के गठन,

क.सं. प्रस्तावक का नाम

संशोधन का रूप

9. जनपद चमोली के धार्मिक एवं दार्शनिक स्थल रूप कुण्ड, वैराज कुण्ड कार्तिक स्वामी में यात्रा हेतु सुगम मार्ग निर्माण,
10. श्री मालचन्द्र प्रस्ताव के अन्त में निम्नलिखित जोड़ दिया जाय :—
“किन्तु खेद है कि श्री राज्यपाल ने अपने अभिभाषण में निम्न को सम्मिलित नहीं किया” :—
1. सीमान्त जनपद उत्तरकाशी के विकास खण्ड मौरी के गंगाड क्षेत्र/पुरौला के सुनाली डेरीका के बाढ़ में खेतों का कटाव रोकने के लिए सुरक्षा दीवाल, पुल एवं सड़कों, नगदी फसलों का मुआवजा हेतु ठोस नीति बनाने,
 2. नगदी फसलों का काश्तकारों को उचित मूल्य दिलाने व नजदीकी मण्डी सुविधा के संबंध में।
 3. हिमाचल की तर्ज पर काश्तकारों को नगदी फसल के लिए शासन द्वारा उचित मूल्य देने हेतु समिति का गठन।
 4. पर्वतीय क्षेत्रों में जनसंख्या तथा शिष्यों के मानक में छूट देने हेतु स्कूलों का चयन,
 5. वन्य जीव गोविन्द पशु विहार हेतु क्षेत्र के समस्त विकास कार्यों में रूकावट हटाने के लिये कोई ठोस नीति बनाने,
 6. जूनियर हाईस्कूल/हाईस्कूल/कन्या जूनियर हाईस्कूलों के उच्चीकरण हेतु पर्वतीय क्षेत्रों में निर्धारित मानक की छूट,
11. श्री अनिल नौटियाल प्रस्ताव के अन्त में निम्नलिखित जोड़ दिया जाय :—
“किन्तु खेद है कि श्री राज्यपाल ने अपने अभिभाषण में निम्नलिखित का उल्लेख नहीं किया है” :—
1. वर्तमान में कार्यरत समस्त शिक्षा बनधुओं को उनके कार्यरत पदों पर ही नियमित किये जाने,
 2. जनपद चमोली के गैरसैण में डिग्रीकालेज में पद सृजन एवं भवन निर्माण,
 3. कर्णप्रयाग डिग्री कालेज हेतु भवनों की व्यवस्था एवं विज्ञान संकाय खोलने,
 4. गोचर में डाइट (राज्य शैक्षिक एवं प्रशिक्षण संस्थान) भवन निर्माण,
 5. कर्णप्रयाग विधान सभा के दूरस्थ क्षेत्रों में सड़कों एवं पुलों के निर्माण,
 6. गढ़वाल विश्वविद्यालय में बी०एड० प्रवेश परीक्षा शुल्क को कम करने,
 7. गौचर में कृषि विश्वविद्यालय की स्थापना,

क.सं. प्रस्तावक का नाम

संशोधन का रूप

8. प्राथमिक विद्यालयों में बी0एड0 प्रशिक्षितों की वर्षवार नियुक्ति,
 9. राजकीय इण्टरकालेज महलचौरी, रोहिडा, उज्जवलपुर, सिदोली के भवन निर्माण,
 10. राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित श्री नन्दा देवी राजजात का आयोजन,
 11. कालेश्वर (चमोली) को ट्रान्सपोर्ट नगर घोषित करने,
 12. प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों के उच्चीकरण एवं नये स्वास्थ्य केन्द्रों की स्थापना,
 13. चमोली जनपद में चाँदपुर गढ़ी नाम से नये विकास खण्ड निर्माण,
12. श्री गोविन्द लाल प्रस्ताव के अन्त में निम्नलिखित जोड़ दिया जाय :-
 "किन्तु खेद है कि श्री राज्यपाल महोदय ने अपने अभिभाषण में निम्नलिखित का उल्लेख नहीं किया है" :-
- 1- नारायणबगड़ में हास्पिटल का उच्चीकरण,
 - 2- चमोली में विद्यालयों का उच्चीकरण,
 - 3- पिण्डर विधान सभा में सड़को एवं पुलों का नव निर्माण,
 - 4- देवाल में हास्पिटल के उच्चीकरण,
13. श्रीमती आशा नौटियाल प्रस्ताव के अन्त में निम्नलिखित जोड़ दिया जाय :-
 किन्तु खेद है कि श्री राज्यपाल महोदय ने अपने अभिभाषण में निम्नलिखित का उल्लेख नहीं किया है :-
- 1- जनपद रुद्रप्रयाग क्षेत्र केदारनाथ में वर्ष 98 एवं 2000 में आये विनाशकारी भूकम्प एवं भूस्खलन से पीड़ित लागो के पुर्नवास एवं गृह अनुदान,
 - 2- जनपद रुद्रप्रयाग क्षेत्र केदारनाथ के तहसील ऊठीमठ विद्यापीठ में महाविद्यालय खोलने,
 - 3- महिलाओं के उत्थान एवं विकास के लिये कोई ठोस नीति बनाने एवं कृषि नीति में परिवर्तन कर व्यवसायिक खेती करने,
 - 4- जनपद रुद्रप्रयाग विकास खण्ड अगस्तमुनि में तल्ला नागपुर पेयजल योजना के संबन्ध में।
 - 5- जनपद रुद्रप्रयाग क्षेत्र केदारनाथ में अपार तीर्थाटन केदारनाथ, तुगनाथ, मध्यमहेश्वर एवं कार्तिक स्वामी अगस्तमुनि पर्यटन क्षेत्र, देवरियाताल, चोपता, दुगलमिट्टा, ख्राम मनेरी क्षेत्रों के विकास के संबन्ध में।
 - 6- नवगठित जनपद रुद्रप्रयाग का एकीकरण करने,
 - 7- जनपद रुद्रप्रयाग क्षेत्र केदारनाथ में बालिकाओं के लिये व्यवसायिक शिक्षण संस्थान एवं बालिका हाईस्कूल एवं इण्टरमीडिएट कालेज खोलने,

क.सं. प्रस्तावक का नाम

संशोधन का रूप

14. श्रीमती विजय बड़थवाल

प्रस्ताव के अन्त में निम्नलिखित जोड़ दिया जाय :-

“किन्तु खेद है कि श्री राज्यपाल महोदय ने अपने अभिभाषण में निम्नलिखित का उल्लेख नहीं किया है” :-

- 1- महिलाओं के आर्थिक विकास के लिये ठोस योजनायें बनाने के लिये महिला उत्थान एवं कल्याण निगम के गठन,
- 2- यमकेश्वर विधान सभाक्षेत्र को मुख्य दो सड़कों के लक्ष्मणझूला से विथाणी एवं चैलेसेण से घट्टूगाढ तक डामरीकरण,
- 3- उत्तरांचल की आबकारी नीति में महिलाओं की सहमति एवं विचार लेने,
- 4- जनपद पौड़ी में रा0इ0का0 एवं माध्यमिक विद्यालयों में प्रवक्ता एवं प्रधानाचार्यों के रिक्त पदों को भरने,
- 5- जनपद पौड़ी में कृषि योग्य भूकम के लिये सिंचाई के साधनों के विस्तारीकरण,
- 6- यमकेश्वर विधान सभा क्षेत्र के महाबगढ़, भैरवगढ़ी, नीलकंठ यमकेश्वर को तीर्थाटन, पर्यटन के लिये विकसित करने,
- 7- यमकेश्वर विधान सभा क्षेत्र में बालिका व्यवसायिक शिक्षा विद्यालय एवं बालिका हाईस्कूल एवं इण्टर कालेज खोलने,
- 8- नये राज्य उत्तरांचल में नई शिक्षा नीति निर्धारित करने,
- 9- यमकेश्वर विधान सभा क्षेत्र अन्तर्गत कण्व आश्रम पोखरी पौखाल मोटर मार्ग निर्माण,
- 10- यमकेश्वर विधान सभा क्षेत्र के अन्तर्गत विकास क्षेत्र द्वाराखाल के सिलोगी, कटूडबड़ा पम्पिंग योजना से पेयजल उपलब्ध कराने,

15. श्री चन्द्रशेखर

प्रस्ताव के अन्त में निम्नलिखित जोड़ दिया जाय :-

“किन्तु खेद है कि श्री राज्यपाल ने अपने अभिभाषण में निम्नलिखित का उल्लेख नहीं किया”:-

1. बिहारी गढ़ से सड़कों एवं पुलियां रोशनाबाद तक पहुँचाने,
2. डान्डा रांघडवाला में प्राईमरी स्कूल को बनवाने,
3. डान्डा जलालपुर में बिजली घर बनाने,
4. भूमि संरक्षण द्वारा भूमि को एकसार कराने,
5. ग्रामीण क्षेत्र जहाँ पर कक्षा 8वीं तक के स्कूल भी नहीं है वहाँ पर स्कूल बनवाने,
6. हरिपुर ग्राम व उसके आस-पास के गाँवों में बिजली की व्यवस्था करने,
7. पंजाब एवं हरियाणा की तरह ही भट्टा उद्योग पर उत्तरांचल में भी सेल्स कम किये जाने,
8. स्कूलों की समस्यायें
(1) 8वीं कक्षा तक के स्कूलों को कक्षा 10वीं तक किये जाने।

क.सं. प्रस्तावक का नाम

संशोधन का रूप

- (2) 10वीं कक्षा तक के स्कूलों को कक्षा 12वीं तक किये जाने।
- (3) भगवानपुर विधान सभा में असिंचीत भूमि पर निःशुल्क बोरिंग एवं पेयजल हेतु नल कूपों की व्यवस्था किये जाने,
9. भगवानपुर क्षेत्र में बाढ़ एवं सूखे के निराकरण हेतु पुलो, सड़कों एवं जलापूर्ति जैसी जटिल समस्याओं के समाधान,
16. श्री त्रिवेन्द्र सिंह रावत प्रस्ताव के अन्त में निम्नलिखित जोड़ दिया जाय :—
“किन्तु खेद है कि श्री राज्यपाल महोदय ने अपने अभिभाषण में निम्नलिखित का उल्लेख नहीं किया है” :—
- 1— उत्तरांचल राज्य निर्माण के दौरान घायलों के संबन्ध में।
 - 2— डोईवाला में महाविद्यालय भवन निर्माण एवं शिक्षकों की व्यवस्था के संबन्ध में।
 - 3— मोथरोवाला—दूधली—डोईवाला मोटर मार्ग के निर्माण में आ रही बाधाओं के संबन्ध में।
 - 4— डोईवाला विधान सभा के अन्तर्गत रायपुर नथुवावाला—नकरौंदा मोटर मार्ग के सुदृढीकरण एवं पक्कीकरण के संबन्ध में।
 - 5— नकरौंदा—लच्छीवाला—डोईवाला, मोटर मार्ग के संबन्ध में।
 - 6— डोईवाला विधान सभा क्षेत्र के अन्तर्गत राजाजी नेशनल से लगे कृषकों की कृषि की जंगली जानवरों से सुरक्षा के संबन्ध में।
 - 7— शिक्षक अभिभावक संगठना (पी.टी.ए.) के अन्तर्गत नियुक्ति के सम्बन्ध में
 - 8— मार्खम— ग्रान्ट न्याय पंचायत में पशु चिकित्सालय खोलने के सम्बन्ध में।
17. श्री सुरेश चन्द प्रस्ताव के अन्त में निम्नलिखित जोड़ दिया जाय :—
“किन्तु खेद है कि श्री राज्यपाल महोदय ने अपने अभिभाषण में निम्नलिखित का उल्लेख नहीं किया है” :—
- 1— हरिद्वार से रुड़की होते हुए मु0 नगर तक सीधी रेलवे लाईन की व्यवस्था के संबन्ध में।
 - 2— रुड़की विधान सभा क्षेत्र जो उत्तरांचल का प्रवेश द्वार के चहुँमुखी विकास के सम्बन्ध में।
 - 3— कुंभ नगरी हरिद्वार को चारों ओर से विभिन्न प्रदेशों एवं नगरों से जोड़ने वाले मार्गों को अविलम्ब चार लेन करने के सम्बन्ध में।